www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2006

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्नपत्र

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 200*

निर्देश : (i) *खण्ड **'क'** से प्रश्न संख्या **1** तथा खण्ड **'ख'** से प्रश्न संख्या **5** अनिवार्य हैं। इनके अतिरिक्त प्रत्येक खण्ड से कम से कम **एक-एक** प्रश्न और चुनकर कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों के मान प्रश्न के अंत में अंकित हैं ।*

खण्ड-क

1. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

(क) पाट महादेइ ! हिये न हारू । समुझि जीउ, चित चेत सँभारू ।।
भौंर कँवल संग होइ मेरावा । सँवरि नेह मालति पहँ आवा ।।
पपिहै स्वाती सौं जस प्रीती । टेकु पियास, बाँधु मन थीती ।।
धरितिहि जैस गगन सौं नेहा । पलटि आव वरषा ऋतु मेहा ।।
पुनि बसंत ऋतु आव नवेली । सो रस, सो मधुकर, सो बोली ।।
जिनि अस जीव करहि तू बारी । यह तरिबर पुनि उठिहिं सँवारी ।।
दिन दस बिनु जल सूखि बिधंसा । पुनि सोइ सरवर सोई हंसा ।।

अथवा

लरिकाई को प्रेम, कहौ अलि कैसे करि कैं छूटत ?
कहाँ कहौं ब्रजनाथ-चरित अब अंतरगति यों लूटत ।।
चंचल चाल मनोहर-चितवनि, वह मुसुकानि मंद-धुन गावत ।।
नटवर भेस नंदनंदन को वह विनोद गृह वन ते आवत ।।
चरन कमल की सपथ करति हौं, यब संदेस मोहि विष सम लागत ।।
सूरदास मोहि निमिष न विसरत मूरति सोवत जागत ।। 17

(ख) चेतना का सुंदर इतिहास-अखिल मानव भावों का सत्य,
विश्व के हृदय-पटल पर दिव्य-अक्षरों से अंकित हो नित्य ।
विधाता की कल्याणी सृष्टि, सफल हो इस भूतल पर पूर्ण,
पटें सागर, बिखरें ग्रह-पुंज और ज्वालामुखियाँ हों चूर्ण ।।

अथवा

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

खोलता इधर जन्म लोचन
मूँदती उधर मृत्यु क्षण-क्षण ;
अभी उत्सव औ' हास हुलास
अभी अवसाद, अश्रु उच्छवास !
अचिरता देख जगत की आप
शून्य भरता नि:श्वास,
डालता पातों पर चुपचाप
ओस के आँसू नीलाकाश । 17

(ग) धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध ।
जानकी ! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका,
वह एक और मन रहा राम का जो न थका ।
जो नहीं जानता दैन्य, नहीं जानता विनय
कर गया भेद वह मायावरण प्राप्त करजय
बुद्धि के दुर्ग पहुँचा विद्युत-गति हत चेतन ।

अथवा

"धर्म का दीपक, दया का दीप,
कब जलेगा, कब जलेगा, विश्व में भगवान ?
कब सुकोमल ज्योति से अभिसिक्त
हो, सरस होंगे जली-सूखी रसा के प्राण ?" 17

2. गोस्वामी तुलसी की समन्वय भावना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । 33

3. सतसई परंपरा में बिहारी सतसई का स्थान निर्धारित कीजिए । 33

4. कविवर सुमित्रानंदन पंत की काव्ययात्रा के क्रमिक विकास का उदाहरणपूर्वक परिचय दीजिए । 33

खण्ड-ख

5. (क) अभिनेयता की दृष्टि से 'भारत-दुर्दशा' नाटक का मूल्यांकन प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

"देवसेना प्रसाद की नारी का आदर्श है ।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए । 17

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(ख) 'गोदान' उपन्यास के मूल प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सुखदा' का कौन सा चरित्र आपको प्रभावशाली लगा ? उदाहरणपूर्वक स्पष्ट कीजिए । 17

(ग) पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल के निबंधों की प्रमुख विशेषताओं को प्रस्तुत कीजिए ।

अथवा

'कबीर और गाँधी' निबंध का सारांश लिखिए ।

अथवा

हिंदी निबंध साहित्य के विकास में आचार्य रामचंद्र शुक्ल का स्थान निर्धारित कीजिए । 16

6. हिंदी नाटक के उद्भव एवं विकास पर संक्षिप्त निबंध लिखिए । 33

7. 'हिंदी कहानी के 18 कदम' में से किसी एक कहानी की समीक्षा कीजिए । 33

8. 'छोटे-छोटे पक्षी' उपन्यास के कथानक का सारांश प्रस्तुत कीजिए । 33

Prepp Your Personal Exam Guide